Tc.No. : GUJHIN00722

पेज: 4, मुल्य 1 रु.

क्रांति समय

संस्थापक / संपादक : सुरेश मौर्या

E-mail: krantisamay@gmail.com, www.krantisamay.com

वर्ष: 1 अंक: 13 , 04 अक्टुबर, बुधवार 2017, सूरत, हिन्दी दैनिक 9879141480 4 ओ ब्लॉक आगम नवकार कॉम्पलेक्ष, सचीन रेल्वे स्टेशन के पास, सूरत-गुजरात

सार समाचार

रूपए के विवाद में युवक को मारी गोली

नई दिल्ली। वसंत विहार थाना अंतर्गत मुनिरका गांव में रविवार रात अचानक गोलियों की आवाज सुनकर लोगों में हड़कंप मच गया। इस दौरान करीब 3-4 बदमाशों ने क्षेत्रीय निवासी एक युवक पर गोली चला दी। गोली युवक के पैर में लगी। पीड़ित युवक की पहचान रामकुमार के रूप में हुई। मौके पर पहुंची पुलिस ने घायल युवक को एम्स के ट्रॉमा सेंटर पहुंचाया। पीड़ित के बयान पर केस दर्ज कर पुलिस मामले की जांच कर रही है।अतिरिक्त पुलिस उपायुक्त चिन्मय बिस्वाल के मुताबिक घटना रविवार रात करीब साढ़े नौ बजे की है। पुलिस को सूचना मिली थी कि मुनिरका गांव स्थित बाबा बेकरी के पास गोली चली है। मौके पर पहुंची पुलिस रामकुमार ट्रॉमा सेंटर ले गई। पुलिस को मौके से कारतूस भी बरामद हुए। पीड़ित ने बयान में बताया कि वारदात को अंजाम देने वाले उसके पड़ोसी हैं। वे पहले राजकुमार के घर पर ही किराएदार थे और रपए के विवाद के कारण एक माह पहले ही किराए का कमरा खाली करके गए थे। वारदात की वजह उसी विवाद को माना जा रहा है। फिलहाल पुलिस ने कई मामलों में केस दर्ज कर लिया है और आरोपी युवकों की तलाश कर रही है।

ठगी के आरोप में तांत्रिक गिरफ्तार

नई दिल्ली। रंजीत नगर थाना पुलिस ने ठगी करने वाले एक तांत्रिक को गिरफ्तार कर लिया। पकड़ा गया तांत्रिक लोगों को समस्या बताकर पहले डराता था और बाद में तंत्र की शक्ति से समस्या खत्म करने के लिए मनमाने तरीके से रपए ऐंठता था। गिरफ्तार आरोपी की पहचान सलमान उर्फ बाबा आजाद बंगाली (26) के रूप में हुई है। आरोपी ने जस्ट डॉयल नामक वेबसाइट पर भी अपनी फर्जी जानकारी मुहैया करा रखी थी। इस तांत्रिक के पकड़े जाने पर जस्ट डॉयल नामक वेबसाइट भी सवालों के कटघरें में आ गई है। पुलिस आरोपी से पूछताछ कर रही है। पुलिस ने आरोपी की गिरफ्तारी से ठगी के 40 से भी ज्यादा मामले को सुलझाने का दावा किया है। एक पुलिस अधिकारी के मुताबिक रंजीत नगर थाने में हिमांशु नामक युवक ने आरोपी तांत्रिक के खिलाफ शिकायत दर्ज कराते हुए बताया कि उसके पिता काफी दिन से बिमार चल रहे थे। डॉक्टरी इलाज के बावजूद सेहत में कोई सुधार न देख हिमांशु ने किसी तांत्रिक से सलाह लेने की सोची। जस्ट डॉयल पर उसे बाबा आजाद बंगाली तांत्रिक के बारे में पता चला। जस्ट डॉयल पर जानकारी होने के कारण हिमांशु को तांत्रिक पर विास हुआ और उससे संपर्क साधकर वह तांत्रिक से मिलने उसके बुलाए स्थान पर पहुंच गया। वहां पहुंचने पर सलमान उर्फ बाबा आजाद बंगाली से उसकी मुलाकात हुई। तांत्रिक ने बताया कि उसके पिता पर काला साया है और उनकी मौत होने वाली है। यह बात सुनकर हिमांशु काफी डर गया और घबराहट में उसने इस समस्या का निदान निकालने को कहा। इस पर तांत्रिक ने उससे बड़ी रकम की मांग की। इसके बाद हिमांशु घर आ गया। तांत्रिक उसे भूत और प्रेतों वाले डरावने वीडियो और फोटो भेजने लगा। इस क्रम में हिमांशु तांत्रिक के झांसे में आकर पिता इलाज उससे करवाने लगा। धीरे-धीरे तांत्रिक ने हिमांशु से इलाज के नाम पर लगभग 85 हजार रपए ठग लिए। इसके बाद एक दिन अचानक तांत्रिक गायब हो गया और उसने हिमांशु का फोन भी उठाना बंद कर दिया। हिमांशु ने ठगी की आशंका होने पर मामले की जानकारी पुलिस को देकर और केस दर्ज कराया। मामले को गंभीरता से लेते हुए एसएचओ प्रह्लाद सिंह के नेतृत्व में टीम बनाकर तांत्रिक को पुलिस ने धर दबोचा। पूछताछ में आरोपी ने ठगी की वारदातें करना स्वीकार किया। पुलिस मामले में आगे की छानबीन कर रही है।

बीड़ी ने ली लकवा ग्रस्त बुजुर्ग की जान

नई दिल्ली। तुगलकाबाद एक्सटेंशन में बुजुर्ग ने बीड़ी पीने के चक्कर में अपनी जान गवां दी। बीड़ी के चलते जिस सोफे पर वह बैठा था, उसमें आग लग गई। आग की चपेट में आने से वह बुरी तरह झुलस गया। सूचना पाकर मौके पर पहुंची पुलिस उसे सफदरजंग अस्पताल ले गई, जहां डाक्टरों ने उसे मृत घोषित कर दिया। पुलिस अधिकारी के अनुसार मृतक की शिनाख्त जयचंद सिंह (72) के रूप में हुई। वह परिवार के साथ भांगर मोहल्ला तुगलकबाद एक्सटेंशन निवासी था।

38 दिन बाद गिरफ्तार:कमिश्नर बोले

हनीप्रीत की कोर्ट से मांगेंगे रिमांड, एक महिला को भी किया अरेस्ट

नई दिल्ली। डेरा सच्चा सौदा के राम रहीम को बलात्कार के आरोप में दोषी करार दिये जाने के बाद 38 दिनों से फरार चल रही उसकी मुंह बोली बेटी हनीप्रीत को आखिरकार पुलिस ने पकड़ लिया है। मीडिया रिपोर्ट के अनुसार, पंजाब पुलिस ने हनीप्रीत ने गिरफ्तार किया है और हरियाणा पुलिस के हवाले कर दिया है।

वहीं पंचकूला पुलिस के कमिश्नर ने कहा है कि पटियाला रोड पर करीब तीन बजे हनीप्रीत को गिरफ्तार किया गया है। उन्होंने बताया कि हनीप्रीत के साथ एक महिला भी थी।

इन 38 दिनों के दौरान वह कहां-कहां रही पुलिस की जांच करेगी और उनकी मदद करने वालों पर नजर है। कमिश्नर ने बताया कि हनीप्रीत के साथ एक महिला को गिरफ्तार किया गया है और वह उससे पूछताछ कर रहे हैं। उन्होंने कहा कि जिस महिला गिरफ्तार

किया गया है वह विपासना नहीं है। हनीप्रीत को बुधवार को कोर्ट में तीन बजे तक पेश किया जाएगा जहां उसकी रिमांड की मांग की जाएगी।

राम रहीम की प्यारी:यौन शोषण,नरकंकाल समेत हनीप्रीत ने किए ये 10 खुलासे

वहीं इससे पहले मीडिया में हनीप्रीत के सामने आने के बाद से पुलिस ने उसे सरेंडर करने से पहले गिरफ्तार करने की तैयारी कर ली थी।

हरियाणा पुलिस ने पंचकुला के सेक्टर-1 में स्थित कोर्ट कांप्लेक्स की ओर जाने वाली सभी रास्तों को सील कर दिया था।

हनीप्रीत पर देशद्रोह का आरोप है। वहीं इससे पहले दिल्ली हाईकोर्ट में अग्रिम जमानत अर्जी खारिज होने के बाद उम्मीद की जा रही थी कि हनीप्रीत उर्फ प्रियंका सीबीआई अदालत में सरेंडर करेंगी या फिर पंजाब-हरियाणा हाईकोर्ट में अग्रिम जमानत अर्जी दाखिल करेंगी।

हरियाणा पुलिस को सोमवार रात यह सूचना मिली थी कि हनीप्रीत दिल्ली में है और वह मंगलवार को पंचकुला की सीबीआई अदालत में सरेंडर करेंगी। मंगलवार सुबह डीजीपी ने वरिष्ठ पुलिस अधिकारियों की बैठक बुलाकर हनीप्रीत को अदालत में सरेंडर से पहले ही गिरफ्तार करने के निर्देश दिये हैं। इसके लिए व्यापक इंतजाम पुलिस ने सुबह ही कर लिये।

कालेधन पर लगाम: अब आएगा 100 रुपये का नया नोट

नई दिल्ली। कालेधन पर नकेल कसने के लिए मोदी सरकार तेजी से करेंसी में स्वरूप में बदलाव कर रही है। 500 और 50 रुपये के नए डिजाइन वाले नोट लाए जाने के बाद अब 100 रुपये का नया नोट लाए जाने की तैयारी है। सूत्रों के मुताबिक रिजर्व बैंक ऑफइंडिया (आरबीआई) अगले वर्ष अप्रैल तक 100 रुपये के नए नोटों की छपाई का काम शुरू कर सकता है। गौरतलब है कि नोटबंदी के बाद मोदी सरकार ने कालेधन पर लगाम लगाने के लिए कई कदम उठाए हैं। नोटों में और सुरक्षा

फीचर्स जोड़ने के अलावा 200 और 2000 के नए नोट भी पेश किए हैं। 1000 रुपये का नोट अब चलन में नहीं है। नए डिजाइन वाले 100 रुपये की छपाई का काम 200 रुपये के नोटों की छपाई पूरी होने के बाद शुरू हो जाएगा। नये नोट आने के बाद 100 के पुराने नोट बंद नहीं होंगे। वह भी चलते रहेंगे। धीरे-धीरे उन्हें वापस लिया जाएगा। नए नोटों के साइज में कोई बदलाव नहीं किया जाएगा ताकि एटीएम मशीनों में वह पहले के 100 के नोटों की तरह आसानी से आ सकें।

दिसंबर 2016 में आरबीआई अधिकारियों ने कहा था कि सभी करेंसी नोटों को बदला जाएगा। सूत्रों के मुताबिक 200 रुपये के नोटों को चलने में लाने में छह महीने का समय और लगेगा। उनकी प्रिंटिंग बैंकों की मांग और फीडबैक पर निर्भर करेगी।

करवा चौथ : इस बार तृतीया युक्त चतुर्थी का है दुर्लभ संयोग,

नई दिल्ली। आमतौर पर करवा चौथ व्रत पति की लंबी आयु के लिए ही किया जाता है, लेकिन यह व्रत पति और पत्नी दोनों एक-दूसरे की लंबी आयु के लिए भी कर सकते हैं। क्यों? इसलिए कि पति लंबी आयु तभी आनंदपूर्वक जी सकेगा, जब वह अपनी पत्नी को लंबी आयु तक अपने साथ पाएगा।

हिंदू धर्म में पति-पत्नी का नाता सात जन्मों तक का माना जाता है। इसमें आनंद रहे, इसलिए दोनों की सेहत अच्छी होना बहुत जरूरी है।

देखा जाए तो यह व्रत अमूमन महिलाएं ही करती हैं। इस व्रत में सास सूर्योदय से पूर्व अपनी बहु को सरगी के माध्यम से दूध, सेवई खिलाती है, नारियल का पानी भी पिलाती है और श्रृंगार की वस्तुएं, साड़ी, जेवर आदि करवा चौथ पर देती है। कार्तिक कृष्ण चतुर्थी को मनाया जाने वाला करवा चौथ

व्रत इस वर्ष रविवार, 8 अक्तूबर को है। गणेश जी के भक्तों को यह अच्छी तरह पता है कि रविवार और मंगलवार को पड़ने वाली चतुर्थी अंगारक चतुर्थी होती है। 8 अक्तूबर, रविवार को तृतीया तिथि 4 बजकर 58 मिनट तक है। चतुर्थी व्रत में यह नियम है कि रात में चंद्र देव को अर्घ्य देते समय चतुर्थी तिथि ही होनी चाहिए। तृतीया व चतुर्थी का योग बहुत अच्छा माना जाता है गणोश चतुर्थी में।

कैबिनेट का फैसला : यूपी में सभी योजनाएं आधार से होंगी लिंक

लखनऊ। प्रदेश सरकार की सब्सिडी वाली सभी योजनाएं अब आधार से लिंक होंगी। यही नहीं अब संविदा पर रखे जाने वाले सभी कर्मचारियों का बैंक खाता आधार से जुड़ेगा और उसी में उनका मानेदय भेजा जाएगा। यूपी सरकार के प्रवक्ता और स्वास्थ्य मंत्री सिद्धार्थ नाथ सिंह ने मंगलवार को यह जानकारी कैबिनेट की बैठक के बाद पत्रकारों को दी। मुख्यमंत्री योगी आदित्य नाथ की अध्यक्षता में शाम पांच बजे कैबिनेट की बैठक हुई।

स्कूली बच्चों को जूता, मोजा और स्वेटर नवंबर में

कैबिनेट के एक अन्य फैसले के मुताबिक प्रदेश के सभी सरकारी स्कूलों में कक्षा 1 से 8 तक के करीब एक करोड़ 48 लाख बच्चों को आगामी नवंबर में जूता-मोचा और स्वेटर देने का फैसला लिया गया है। इस पर चालू वित्तीय वर्ष में 300 करोड़ रुपये खर्च किए जाएंगे।

सीएम सामूहिक विवाह योजना

सरकार के प्रवक्ता ने बताया कि मुख्यमंत्री सामूहिक विवाह योजना में हर जोड़े पर 35 हजार रुपये खर्च किए जाएंगे। इस योजना में विधवा और तलाकशुदा महिलाओं की शादी में भी यह राशि दी जाएगी।

तेरह साल बाद कानून में संशोधन

इसके अलावा प्रदेश में मिट्टी के तेल के फुटकर विक्रेताओं को सन 1994 में एक बार में लाइसेंस देने की व्यवस्था की गई थी, पर इस बारे में कानून में संशोधन अब 2017 में कैबिनेट की बैठक के बाद जारी हो सका है।

सरकारी नौकरी दिलाने के नाम पर ठगी के आरोप में बुजुर्ग गिरफ्तार

नौकरी दिलाने के लिए बनाए गए फर्जी दस्तावेज बरामद

नई दिल्ली। सरकारी नौकरी दिलाने के नाम पर ठगी करने के आरोप में सनलाइट कॉलोनी थाना पुलिस ने नेवी में एक युवक को नौकरी दिलाने के नाम पर उससे ठगी के आरोप में एक बुजुर्ग को गिरफ्तार कर उससे नौकरी दिलाने के लिए बनाए गए फर्जी दस्तावेज बरामद किए हैं। गिरफ्तार बुजुर्ग की पहचान पहचान उत्तर प्रदेश के बुलंदशहर निवासी ॠिषिपाल (60) के रूप में हुई है। आरोपी दिल्ली सरकार के अंतर्गत शिक्षा विभाग में नौकरी करता था। उसकी गिरफ्तारी कर पुलिस ने सरकारी नौकरी दिलाने के नाम राजधानी में चल रहे ठगी के कारोबार का पर्दाफाश किया है। सनलाइट कॉलोनी पुलिस ने केस हजरत निजामुद्दीन थाना पुलिस को हस्तांतरित कर दिया है। पुलिस के मुताबिक सनलाइट कॉलोनी थाना पुलिस के पास हरिनगर आश्रम निवासी राजेश (33) ने सरकारी नौकरी दिलाने की आड़ में उससे ठगी की जानकारी देकर शिकायत दर्ज कराई थी। पीड़ित ने पुलिस को बताया कि ठगी करने वाला बुजुर्ग उससे रपए लेने के लिए फिर से आने वाला है। सूचना के आधार पर मौके पर पहुंची सनलाइट थाना पुलिस ने आरोपी को रपए लेते समय रंगेहाथ गिरफ्तार कर मामला हजरत निजामुद्दीन थाना पुलिस को सौंप दिया, क्योंकि रपए का लेने-देने

हजरत निजामुद्दीन थानाक्षेत्र में हुआ था। पूछताछ में सारी कहानी सामने आई। प्राप्त जानकारी के मुताबिक डीयू से स्नातक कर प्राइवेट जॉब करने वाले राजेश को सरकारी नौकरी की लालसा थी। उसके एक दोस्त कुलदीप ने उसे ॠिषीपाल नामक शख्स से मिलने की सलाह दी। मुलाकात के दौरान ॠिषीपाल ने राजेश को नेवी में स्टोर सुपरवाइजर की नौकरी लगवाने का भरोसा दिया और अन्य दस्तावेज के साथ राजेश से 23 हजार रुपए भी लिए। कुछ दिन की प्रक्रिया के बाद आरोपी ने राजेश को हेड ऑफिस नेवी के बोर्ड की सेलेक्शन कमेटी की इंटरव्यू सर्टिफिकेट के साथ ही अन्य दस्तावेज देकर विास में ले लिया और उससे साढ़े छह हजार रपए मांगे। इससे राजेश को उस पर शक हुआ और उसने मामले की जानकारी पुलिस को दे दी। पुलिस ने सूचना के आधार पर 28 सितम्बर देर शाम आरोपी को रंगेहाथ दबोच लिया। हजरत निजामुदीन थाना पुलिस पूरे मामले की छानबीन कर रही है।

केरल:अमित शाह बोले-ऋस्स वर्कर्स की हत्या के लिए ष्टस्रू विजयन जिम्मेदार

कन्नूर। भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के अध्यक्ष अमित शाह ने मंगलवार को केरल में सत्तारूढ़ वाम लोकतांत्रिक मोर्चा (एलडीएफ) पर हमला बोलते हुए कहा कि राज्य में भाजपा और राष्ट्रीय स्वंयसेवक संघ(आरएसएस) के कार्यकताओं की हत्या के लिए मुख्यमंत्री पिनरई विजयन जिम्मेदार हैं। शाह ने कहा कि वर्ष 2001 के बाद से केरल में भाजपा और आरएसएस के 120 कार्यकर्ता मारे गए हैं और उन्होंने माकपा की अगुवाई वाली गठबंधन सरकार से कहा कि लोगों को यह पता चलना चाहिए कि कौन इन हत्याओं के लिए जिम्मेदार है।

अमित शाह ने लोगों को संबोधित करते हुए कहा, 'मैं मुख्यमंत्री विजयन से पूछता हूं कि केरल में किसने भाजपा व आरएसएस कार्यकर्ताओं की हत्या की है। अगर उनके पास जवाब नहीं है तो मैं यह कह रहा हूं कि मुख्यमंत्री विजयन इसके लिए जिम्मेदार हैं।

' अमित शाह कन्नूर जिले के पय्यान्नूर में पार्टी की 'जन रक्षा यात्रा' का उद्घाटन करने के लिए केरल में हैं। पूरे प्रदेश का भ्रमण करने के बाद यह यात्रा 17 अक्टूबर को तिरुवनंतपुरम में समाप्त होगी। उन्होंने कहा कि जब भी राज्य में कम्युनिस्टों को सत्ता मिलती है,

मैं मुख्यमंत्री विजयन से पूछता हूं कि केरल में किसने भाजपा व आरएसएस कार्यकर्ताओं की हत्या की है। अगर उनके पास जवाब नहीं है तो मैं यह कह रहा हूं कि मुख्यमंत्री विजयन इसके लिए जिम्मेदार हैं।'

आरएसएस और भाजपा के कार्यकर्ताओं के हत्या के मामले में बढ़ जाते हैं। शाह ने कहा कि 120 राजनीतिक हत्याओं में अकेले कन्नूर में 84 लोगों की हत्या की गई है। राष्ट्रीय अध्यक्ष ने कहा यह अहिंसक प्रदर्शन राज्य में हो रही राजनीतिक हत्याओं के विरोध में किया जा रहा है। हमलोग अपनी यात्रा की शुरुआत कन्नूर से कर रहें हैं, क्योंकि यह मुख्यमंत्री का गृह जनपद है। 'पदयात्रा' के अंतर्गत, शाह पांच अक्टूबर को राजनीतिक हिंसा के विरुद्ध माकपा सरकार और राज्य में बढ़ते जेहादी आतंकवाद के खिलाफ विरोध जताने के लिए मुख्यमंत्री के घर तक पदयात्रा करेंगे।

मेट्रो किराया बढ़ोतरी को रोके डीएमआरसी : दिल्ली सरकार

नई दिल्ली। दिल्ली सरकार ने मेट्रो द्वारा दूसरी बार किराया बढ़ाने के मामले को दिल्ली मेट्रो रेल कारपोरेशन के नियमों का उल्लंघन बताया है। जिस कानून के द्वारा 2002 में मेट्रो का गठन हुआ उस कानून की अवहेलना नहीं की जा सकती है। मेट्रो के कामकाज में दिल्ली सरकार कोई हस्तक्षेप नहीं करती है लेकिन किराया बढ़ाए जाने पर दिल्ली सरकार चुप नहीं रहेगी। इसलिए किराया बढ़ोत्तरी तबतक रोक दी जाए जबतक केन्द्र सरकार व दिल्ली सरकार पूरे मामले का संयुक्त रिव्यू नहीं कर लेती है। डीएमआरसी द्वारा इस संबंध में बार-बार फेयर फिक्सेशन कमेटी का हवाला दिया जा रहा है कि बोर्ड इस कमेटी के फैसले को मानने के लिए बाध्य है क्योंकि नियम 37 में फेयर फिक्सेशन कमेटी के फैसले को बोर्ड द्वारा स्वीकारने की बाध्यता है। दो किराया बढ़ोत्तरी में कम से कम एक साल का अंतराल होगा, यह भी डीएमआरसी नियम में तय प्रक्रिया है, फिर छह महीने में कैसे किराया बढ़ाया जा रहा है। इसी वर्ष

जब तक केन्द्र व दिल्ली सरकार पूरे मामले की रिव्यू न कर ले मेट्रो का किराया न बढ़ाया जाए : दिल्ली सरकार

मई माह में रेल किराए में बढ़ोत्तरी हुई है फिर दूसरी बार 10 अक्टूबर से किराया में बढ़ोत्तरी कैसे की जा रही है। इसलिए दिल्ली सरकार का कहना है कि डीएमआरसी सभी लोगों को बताए कि किस प्रकार नियमों का उल्लंघन कर किराया में बढ़ोत्तरी की जा रही है। डीएमआरसी लगातार किराया बढ़ाने की बात कर रही है लेकिन फेयर फिक्सेशन कमेटी के निर्णय व दिल्ली मेट्रो बोर्ड की बैठक में आठ महीने का गैप कैसे हुआ?

इसलिए दिल्ली सरकार अपील करती है कि दिल्ली मेट्रो रेल कारपोरेशन के सेक्शन 86 के नियम के तहत किराए में बढ़ोत्तरी के मामले को तत्काल रोके।कोलकाता मेट्रो का किराया दिल्ली मेट्रो के किराए से कम: सौरभ भारद्वाजआम आदमी पार्टी के मुख्य प्रवक्ता सौरव भारद्वाज ने कहा कि कोलकाता मेट्रो का किराया दिल्ली मेट्रो से काफी कम है। उन्होंने कहा कि कोलकाता मेट्रो का न्यूनतम किराया पांच रपए है व अधिकतम किराया 25 रपए है। दिल्ली मेट्रो का न्यूनतम किराया दस रपए व अधिकतम किराया 50 रपए है। उन्होंने कहा कि पूर्व मुख्य सचिव के के शर्मा ने फेयर फिक्सेशन कमेटी में दिल्ली सरकार का प्रतिनिधित्व किया लेकिन किराया बढ़ाने पर दिल्ली सरकार के विरोध का पत्र भी सौंपा है।

संपादकीय

अमेरिका में बर्बरता

बेशक लास वेगास की घटना 11 सितंबर 2001 के बाद अमेरिका में हुआ सबसे घातक हमला है। अप्रैल 2007 में वर्जीनिया टेक यूनिवर्सिटी में एक बंदूकधारी ने 32 लोगों को मौत के घाट उतारा था। दिसंबर 2012 में कनेक्टिकट के न्यूटाउन स्थित स्कूल में एक व्यक्ति ने 26 बच्चों और शिक्षकों की हत्या कर दी थी। जून 2016 में ऑरलैंडो स्थित एक नाइट क्लब में 49 लोगों को गोलियों से भून दिया गया था। ऑरलैंडों का हमलावर आतंकी संगठन आईएस से जुड़ा था। इन हमलों के मद्देनजर यह तो नहीं कहा जा सकता कि ऐसी घटनाएं अमेरिका में अनसुनी हैं। फिर भी लास वेगास में रविवार रात एक संगीत समारोह के दौरान जितनी बड़ी संख्या में लोग हमले का शिकार हुए, उससे सारी दुनिया स्तब्ध है। वहां एक व्यक्ति ने एक होटल से गोलियों की बौछार कर दी। उस वक्त वहां तकरीबन 40,000 संगीत प्रेमी जुटे थे। हमले में जितने बड़े पैमाने पर लोग हताहत हुए, उससे अंदाजा लगाया जा सकता है कि हमलावर ने कितने सुनियोजित तरीके से इस वारदात को अंजाम दिया। वो हमलावर कौन था? उसका मकसद क्या था? इस बारे में पुलिस ने तुरंत कोई पुष्ट जानकारी नहीं दी। लेकिन गौरतलब है कि लास वेगास अपने कैसिनो, नाइट क्लब्स और शॉपिंग सेंटर्स के लिए मशहूर है। वहां हर साल लाखों पर्यटक पहुंचते हैं। रविवार रात भी वहां खूब चहल-पहल थी। हमले के लिए यही वक्त चुना गया। इससे बरबस ही इस वर्ष मई में ब्रिटेन के मैनचेस्टर में हुआ हमला याद आया। वहां भी एक पॉप म्यूजिक कंसर्ट को निशाना बनाया गया था, जिसमें 22 लोग मारे गए थे। फ्रांस के नीस शहर में जुलाई 2016 में बास्तील दिवस समारोह में शामिल लोगों पर एक आतंकवादी ने ट्रक चढ़ा दिया था, जिसमें 86 लोगों की जान गई। संकेत साफ हैं। दहशतगर्द उत्सव के मौकों को निशाना बना रहे हैं। पुलिस के मुताबिक लास वेगास में गोलियां बरसाने वाला व्यक्ति स्थानीय निवासी था। लेकिन क्या उसका किसी आतंकी संगठन से संबंध था, जैसा कि आईएस ने दावा किया है? अथवा, वह अमेरिका में बढ़ते राजनीतिक और नस्लीय ध्रुवीकरण से प्रेरित उन्मादी शख्स था?

लास वेगास में हुए हमले से साफ है कि दुनिया के सबसे शक्तिशाली देश अमेरिका में भी आंतरिक सुरक्षा को सुनिश्चित करने की चुनौती लगातार बढ़ती जा रही है।

गौरतलब है कि राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के दौर में अमेरिका में श्वेत चरमपंथियों और उनके विरोधी समूहों के बीच टकराव बढ़ा है। ऐसा लगता है कि ट्रंप खुद ऐसी गोलबंदी को बढ़ावा दे रहे हैं। इन परिस्थितियों में कुछ जनसमूहों की भावनाएं उग्र रूप ले रही हैं। फिलहाल कहना मुश्किल है कि लास वेगास में हमला इस घटनाक्रम का परिणाम था, लेकिन यह निर्विवाद है कि दुनिया के सबसे धनी और शक्तिशाली देश में आंतरिक सुरक्षा को सुनिश्चित करने की चुनौती लगातार बढ़ती जा रही है। अंतरराष्ट्रीय आतंकवाद और आंतरिक सामाजिक तनाव के कारण वहां की सामाजिक शांति भंग हो रही है। अंतरराष्ट्रीय मामलों में उग्र रुख रखने वाले डोनाल्ड ट्रंप के लिए यह ऐसी चुनौती है, जिसे उन्हें नजरअंदाज नहीं करना चाहिए। वरना वे अमेरिका के रुतबे की हिफाजत नहीं कर पाएंगे, जिसे 'फिर से महान बनाने का वादा करते हुए उन्होंने पिछले साल अप्रत्याशित जनादेश प्राप्त किया था।

सरकार की कवायद

अरुण जेटली द्वारा जीएसटी के स्लैब में कटौती के संकेत का मतलब है कि अर्थव्यवस्था ढलान की ओर है। सरकार इसे पटरी पर लाने का प्रयास कर रही है। यह अकारण नहीं है। विमुद्रीकरण की नीति के झटके से अर्थव्यवस्था उबरी भी नहीं थी कि सरकार ने आधी-अधूरी तैयारी के साथ जीएसटी जैसे अहम आर्थिक सुधारों को लागू कर दिया। इसने कोढ़ में खोज का काम किया। विमुद्रीकरण से किसान और मझोले कारोबारियों के धंधे चौपट होने लगे थे। शहर का मजदूर तबका बेरोजगार होकर गांवों में पलायन करने लगा था। जीएसटी लागू होने के बाद तो छोटे और मझोले कारोबारियों की कमर ही टूट गई। जाहिर है इसका अर्थव्यवस्था पर प्रतिकूल असर पड़ा और बाजार में सुस्ती पसर गई। कुछ आर्थिक विशेषज्ञ मंदी की आशंका जाहिर करने लगे हैं। अर्थव्यवस्था में आई सुस्ती को लेकर जब विपक्ष के साथ-साथ भाजपा के वरिष्ठ नेता और पूर्व वित्त मंत्री यशवंत सिन्हा और संघ प्रमुख मोहन भागवत ने मोदी सरकार की आर्थिक नीतियों को अर्थव्यवस्था के लिए खतरनाक बताया, तब जाकर सरकार की नींद टूटी है। हालांकि वित्त मंत्री जेटली सरकार की आर्थिक नीतियों का बचाव करते हुए अभी भी ''विकास के लिए कुछ कीमत चुकाने' जैसी थोथी दलील दे रहे हैं। सचाई तो यह है कि मोदी सरकार की आर्थिक नीतियों से कुछ बड़े व्यापारिक घरानों को छोड़कर हर तबका परेशान और बेहाल है। पेट्रोल, रसोई गैस सहित रोजमर्रा के इस्तेमाल में आने वाली सभी वस्तुओं की कीमतों में लगातार इजाफा होता रहा है। प्रधानमंत्री की ताबड़तोड़ विदेश यात्रा के बावजूद प्रत्यक्ष विदेशी निवेश बढ़ा नहीं है। अब सरकार आर्थिक व्यवस्था को पटरी पर लाने के लिए टैक्स अदा न करने वालों पर वैंकि कसने जा रही है। इसका समर्थन किया जाना चाहिए, लेकिन ईमानदारी से टैक्स देने वालों को कुछ सहूलियतें भी मिलनी चाहिए। उन्हें विशेष रियायतें देकर दूसरों को भी प्रेरित किया जा सकता है। अगले चुनाव में अभी वक्त है। महंगाई पर काबू, किसानों, छोटे कारोबारियों और मजदूर तबके की नाराजगी को दूर करके सरकार डैमेज कंट्रोल कर सकती है। अब यह सरकार पर निर्भर है।

टू दि प्वाइंट/ आलोक पुराणिक

एडवेंचरलैंड में आम आदमी

इंडिया का आम आदमी और अमेरिका का अमीर आदमी एक मामले में बराबर है-एडवेंचर के मामले में। अमेरिकन लाखों फूंककर एडवेंचर का तजुर्बा करते हैं-कभी पहाड़ पर चढ़ जाते हैं, कभी मुश्किल सड़कों पर सफर करते हैं। भारत के आम आदमी को यह सब करने के लिए लाखों नहीं फूंकने होते हैं, बस रोज एक आम जिंदगी जीनी होती है। नेपाल में एवरेस्ट पहाड़ है, दिल्ली में गाजीपुर में कूड़े का पहाड़ है। एवरेस्ट अभियान में भी लोगों की जानें गई हैं, कूड़े का पहाड़ भी कातिल है, कइयों को मार चुका है। मैं अपनी बाइक कूड़े के पहाड़ के पास से ले जाता हूं तो एकैदम एडवेंचर का फील आ जाता है। ग्रेट कितनी जोखिमवाला काम कर रहा हूं। मुझे डर यह है कि कुछ दिनों बाद कोई बड़ा फिल्मी स्टार यह इश्तिहार ना करने लग जाए-जिंदगी से लीजिये पूरा, क्यों लेते हैं कम, आइये कूड़े के पहाड़ के ट्रेवल का उठाइये जोखिम। कूड़े का पहाड़ रोजगार योजना के इस्तेमाल में आ सकता है। इंश्योरेंस कंपनियां इसके इर्द-गिर्द गुजरनेवालों का इंश्योरेंस करेंगी। संभव है, बहुत जल्दी सरकार कूड़े के पहाड़ के करीब से गुजरनेवालों से रकम वसूलना शुरू कर दे। नेपाल सरकार एवरेस्ट अभियान के लिए फीस वसूलती है। कूड़े का पहाड़ भी पीछे क्यों रहे? आऊट आफ दि बॉक्स सोल्यूशन ऐसे ही निकलते हैं। मुंबई में रेल-पुल पर जाना ही बड़े एडवेंचरवाला काम है। बहुत संभव है कि सरकार यह कहे कि 15 लाख रु पये हर खाते में लाने का जो वादा था, वह ऐसे पुलों की पंद्रह ट्रिप से पूरा माना जाए। एक बार की ट्रिप में बची जान को लाख रु पये के बराबर माना जाए। पुल पर जाना एडवेंचर ट्रिप लगे, तो समझना चाहिए कि एडवेंचर टूरिज्म के विकास के लिए बहुत काम हुआ देश में। कुछ दिन पहले दिल्ली में एक नाली की बदबू एक विदेश टूरिस्ट बेहोश होकर गिर गया। होश आने पर उसने बताया कि वह यूरोप में आल्प्स पर्वत पर ट्रेकिंग कर चुका है, कुछ न हुआ उसे। दिल्ली की नालियों ने गिरा लिया उसे। मैंने समझाया उसे बेट्टे-दिल्ली ही क्या, पूरा भारत विकट एडवेंचर-प्लेस है। हमारे यहां इंतजाम ऐसे हैं कि बचपन से ही एडवेंचर टूरिज्म का हिसाब-किताब जमा दिया जाता है। आऊट ऑफ दि बॉक्स सोल्यूशन ऐसे ही निकलते हैं।

इश्क का आतंक या आतंक से इश्क

एस श्रीनिवासन

केरल 'लव जेहाद' की गहरी टीस के बीच जी रहा है। उम्मीद है कि इस हफ्ते नेशनल इंटेलिजेन्स एजेंसी यानी एनआईए अखिला उर्फ हदिया के मामले में अपनी जांच रिपोर्ट सौंप देगी। 24 साल की हिंदू अखिला ने एक मुस्लिम व्यक्ति शफीन जहां से निकाह के लिए अपना धर्म बदल लिया था। वहीं जुलाई महीने में एक और हिंदू लड़की 23 वर्षीया अथिरा ने यह कहते हुए अपना घर छोड़ दिया था कि वह इस्लाम कबूलना चाहती है। इस युवती ने केरल हाईकोर्ट को बताया है कि वह अपने माता-पिता के पास लौटना चाहती थी, अगर वे उसके नए मजहब के हिसाब से उसे इबादत की इजाजत दे देते। बहरहाल, खबरों के मुताबिक, फिलहाल वह 'री-कन्वर्जन सेंटर' में रह रही है। इसी बीच 28 साल की एक हिंदू महिला श्वेता ने यह शिकायत दर्ज कराई है कि उसे एर्नाकुलम के एक 'योग केंद्र' में जबरन 22 दिनों तक कैद करके रखा गया था, जहां उसके परिवार की मिलीभगत से योग केंद्र के स्टाफ ने उस पर अपने ईसाई पति को छोड़ने के लिए दबाव डालने की कोशिश की।

'लव जेहाद' की अवधारणा पहली बार साल 2009 में राष्ट्रीय स्तर पर चर्चा में आई थी, जब केरल और तटीय कर्नाटक में बड़े पैमाने पर धर्म परिवर्तन के दावे किए गए थे। इसके बाद तो समूचे भारत से इस प्रकार के दावे किए जाने लगे। साल 2014 में यह उत्तर प्रदेश, मध्य प्रदेश और बिहार तक पहुंच गया। आरोप यह है कि हिंदू युवतियों को सुनियोजित तरीके से मोहब्बत के जाल में फंसाया जा रहा है, ताकि उनका धर्मांतरण कराया जा सके। साल 2009 के बाद के इस तरह के मामलों की जांच कर रही केरल पुलिस का निष्कर्ष यह है कि उसे अब तक ऐसा कोई संगठन नहीं मिला है, जिसके सदस्यों के बारे में कहा जाए कि वे लड़कियों के धर्म बदलवाने के लिए प्रेम का नाटक करते हैं। लेकिन अनेक धार्मिक संगठन और उनकी राजनीतिक इकाइयों का आरोप है कि राज्य में ऐसी गतिविधियां जारी हैं। सबसे खतरनाक बात यह है कि वे इन घटनाओं का तार आतंकी संगठनों से जुड़ा बताते हैं।

“ लव जेहाद के नाम पर केरल में जो कुछ हो रहा है, वह काफी खतरनाक है, क्योंकि यह नागरिक अधिकारों के विरुद्ध जाता दिख रहा है। ”

क्या ये केवल व्याकुल कल्पनाएं, राजनीतिक तरकीबें या चुनावी चालें हैं? इसके बारे में अंतिम तौर पर अभी कुछ तय नहीं हुआ है, मगर यह मसला सिर्फ शादी तक सीमित नहीं है, बल्कि यह एक नागरिक के व्यक्तिगत अधिकारों, लैंगिक न्याय और आजादी का भी मामला है। देश में काफी सारे लोग, खासकर महिलाएं 'लव जेहाद' की अवधारणा पर यह कहते हुए सवाल उठा रही हैं कि यह अवधारणा ये मानकर चलती है कि औरतें अपना भला-बुरा सोचने के काबिल नहीं हैं। अखिला, जो कि एक रिटायर्ड फौजी की इकलौती बेटी है, तमिलनाडु के सलेम में होमियोपैथी मेडिसिन की पढ़ाई कर रही थी और वहीं पर कई मुस्लिम लड़कियां उसकी सहेली बनीं। अखिला उनके साथ एक ही कमरे में रहती थी, और तभी उसने धर्म बदलने के बारे में फैसला किया। अखिला के पिता अशोकन मणि को जब इसके बारे में पता चला, तो उन्होंने उसे घर लौटने को कहा। जब अखिला को वापस बुलाने के उनके सारे प्रयास नाकाम हो गए, तो उन्होंने 'बंदी प्रत्यक्षीकरण' याचिका दायर की। अपनी याचिका में उन्होंने दावा किया कि उनकी बेटी का जबरिया धर्म-परिवर्तन कराया गया है। पर अदालत ने उनकी याचिका खारिज कर दी, क्योंकि अखिला ने कोर्ट को बताया कि उसने अपनी मरजी से धर्म बदला है। कुछ महीने बाद जब अशोकन को पता चला कि उनकी बेटी ने शफीन से शादी कर ली है, तो उन्होंने एक और याचिका दायर की कि उनकी बेटी ने आतंकी संगठन इस्लामिक स्टेट के इशारे पर इस्लाम कबूला है। अपनी याचिका में उन्होंने यह आशंका भी जताई कि उनकी बेटी को जल्दी ही देश के बाहर, संभवतः अफगानिस्तान ले जाया जा सकता है।

कोर्ट ने शुरुआत में इस मामले में आईएस के हाथ के आरोप को नजरअंदाज कर दिया। लेकिन बाद में उसने शफीन से अखिला उर्फ हदिया के निकाह को अमान्य करार दिया। अपने फैसले में अदालत ने कहा कि 'शादी अखिला की जिंदगी का बेहद अहम फैसला है, जिसे उसके माता-पिता की सक्रिय सहभागिता के बाद ही मान्य करार दिया जा सकता है।' अदालत ने पुलिस को निर्देश दिया कि वह आईएस के संपर्क वाले गुटों द्वारा हिंदू लड़कियों के जबरन धर्म-परिवर्तन के संदिग्ध मामलों की गहरी जांच-पड़ताल करे। शफीन ने सुप्रीम कोर्ट का दरवाजा खटखटाया। लेकिन देश की आला अदालत ने भी एनआईए को हुक्म दिया कि वह इस निकाह की सच्चाई की जांच करे। एनआईए का मानना है कि अखिला का केस कोई अलहदा मामला नहीं है, और यह उस बड़े प्रयास का हिस्सा हो सकता है, जो अपने माता-पिता से नाराज हिंदू लड़कियों को इस्लाम कबूल कराने से जुड़ा है।

बहरहाल, अखिला और अथिरा, दोनों के मामलों में शिकायतकर्ताओं का आरोप था कि इनके पीछे कट्टर इस्लामी जमात पोपुलर फ्रंट ऑफ इंडिया का हाथ है। इस संगठन पर अनेक हिंसक घटनाओं में शामिल होने और एक प्रोफेसर का हाथ काटने का आरोप है, हालांकि यह संगठन अपनी किसी भूमिका से इनकार करता है। केरल पुलिस को ऐसा कोई भरोसेमंद सुबूत नहीं मिला है, जो इस बात की तस्दीक करता हो कि अखिला और अथिरा को धर्म-परिवर्तन के लिए मजबूर किया गया हो। एनआईए के अपने संदेह हैं। अलबत्ता, विश्लेषकों को अदालतों की वे 'असाधारण टिप्पणियां' नागवार लगी हैं, जिनमें उन्होंने कहा कि ये शिकायतें हिंदुत्ववादी संगठनों की ओर से की गई हैं। अशोकन मणि का दावा है कि वह सीपीआई के सदस्य हैं और एक नास्तिक हैं। कुछ लोगों ने अखिला व अथिरा के मामले में राज्य के मुख्यमंत्री पी विजयन से हस्तक्षेप करने की अपील की है। दिलचस्प बात यह है कि केरल में धर्मांतरण विरोधी कोई कानून नहीं है।

'लव जेहाद' का अनोखा मसला राजनीतिक रूप से काफी खतरनाक बात है। खासकर एक ऐसे सूबे में, जो सबसे अधिक साक्षरता वाला है, और जहां की लगभग आधी आबादी मुस्लिमों और ईसाइयों की है।

(ये लेखक के अपने विचार हैं)

बुजुर्गों की बेकद्री

सहेजिए रिश्तों की अनमोल पूंजी

ज्ञानेन्द्र रावत

आज की युवा पीढ़ी न केवल वरिष्ठजनों के प्रति लापरवाह है, बल्कि वह उन लोगों की समस्याओं के प्रति भी जागरूक नहीं है। वह पड़ोस के बुजुर्गों को तो सम्मान दिखाने के लिए तत्पर दिखती है लेकिन अपने ही घर के बुजुर्गों की उपेक्षा करती है।

रिसर्च एण्ड एडवोकेसी सेंटर ऑफ एजवेल फाउण्डेशन के सर्वेक्षण के अनुसार 59.3 फीसदी लोगों का मानना है कि समाज और घर में बुजुर्गों के साथ व्यवहार में विरोधाभास है। केवल 14 फीसदी का मानना है कि घर हो या बाहर—दोनों ही जगह बुजुर्गों की हालत एक जैसी है। जबकि 25 फीसदी के अनुसार घर में बुजुर्गों का सम्मान खत्म हो गया है। असलियत यह है कि परिवार के सदस्य अपने घर के बुजुर्गों को हल्के में लेते हैं, इसके बावजूद बुजुर्ग उस उम्र में भी सक्रिय रहना चाहते हैं। सर्वेक्षण की मानें तो 50 फीसदी लोग यह मानते हैं कि कार्यस्थलों पर भी उनके साथ भेदभाव होता है, जिसके चलते उनकी पदोन्नति भी प्रभावित होती है। तात्पर्य यह कि बुजुर्ग हर जगह उपेक्षित हैं और आज की युवा पीढ़ी उन्हें बेकार की चीज मानने लगी है। वह नहीं सोचती कि उनके अनुभव उनके लिए बहुमूल्य हैं, जो उनके जीवन में पग-पग पर महत्वपूर्ण योगदान देते हैं। देश का सामाजिक न्याय और अधिकारिता मंत्रालय भले उनकी तादाद 8 करोड़ के आसपास बताये, संयुक्त राष्ट्र की विश्व जनसंख्या रिपोर्ट के अनुसार भारत में बुजुर्ग आबादी 9 करोड़ के करीब है, जो तेजी से बढ़ रही है। बुजुर्गों की यह तादाद 2026 तक 18 करोड़ पहुंच जायेगी। सच है कि बुजुर्गों के लिए सरकारी प्रयासों से कुछ नहीं होने वाला। समाज और परिवार को भी अपनी जिम्मेदारी समझनी होगी। क्योंकि बुजुर्गों को परिवार में संरक्षण देने वाला कानून बहुत खामियों वाला है। इसमें सुधार से कुछ सार्थक परिणाम की आशा की जा सकती है।

हमारे यहां कुछेक अपवादों को छोड़ दें, अक्सर मां-बाप अपने बेटे-बेटियों की शिकायत पुलिस में करने की मानसिकता कतई नहीं रखते और बेटों-बहुओं के अमानवीय बर्ताव सहते हुए बदहाली-तंगहाली में जीते हुए मर जाते हैं। कभी-कभी अदालत का दखल भी इसमें कुछ नहीं कर पाता।

वृद्धावस्था जीवन का अंतिम पड़ाव है। इस दौर में व्यक्ति का जीवन सम्मान सहित कुशलतापूर्वक कट जाए, यह बहुत बड़ी बात है। अक्सर देखने में आता है कि बहुतेरे बुजुर्गों को बुढ़ापे में दर-दर की ठोकरें खानी पड़ती हैं। उन्हें सिर छिपाने के लिए छत, खाने को दो जून रोटी और तन ढकने के लिए कपड़ा भी मयस्सर नहीं होता। बुढ़ापा आते ही कितना अकेला पड़ जाता है वह। यहां तक कि जिस बेटे की खातिर वह लाख मन्नतें-मनौतियां करता-मानता है, वही बेटा उन्हें सिरदर्द समझता है, उनकी उपेक्षा करने लगता है।

कुछ लोग वृद्धावस्था को जीवन का अभिशाप मानते हैं। क्योंकि इस अवस्था तक आते-आते शरीर के सारे अंग शिथिल पड़ जाते हैं और इंसान की जिदंगी दूसरे की दया-कृपा पर निर्भर रहती है। इन हालात में व्यक्ति मानसिक तनाव से ग्रस्त रहता है। उसके स्वभाव में चिड़चिड़ापन आ जाता है या स्वभावतः क्रोधी हो जाता है। उसकी याददाश्त अक्सर कमजोर हो जाती है।

मां-बाप को बोझ समझने की प्रवृत्ति बढ़ी है। यह स्थिति आज अधिकतर नौजवानों की है। इसमें इजाफा तो उसकी शादी के बाद और हो जाता है। कुछ वधुएं अपने बुजुर्गों का अपमान करने में नहीं हिचकतीं। घर में उनकी उपेक्षा और तिरस्कार, दैनिक दिनचर्या बन जाती है। यही वजह है कि उनकी शांतिपूर्ण जिंदगी में भूचाल आ जाता है। कभी-कभी जीवन में मेहनत-मशक्कत या फिर किसी और तरीके से अर्जित किये गये अपार धन-सम्पत्ति के बंटवारे में बड़े-बूढ़ों की काफी छीछालेदर होती है। इससे बेटे-बहुओं के साथ उनका रहना भी दुश्वार हो जाता है। बुजुर्गों और बहू-बेटों में तारतम्य न बैठ पाने में एक बड़ी वजह पश्चिमी सभ्यता का बढ़ता प्रभाव भी है। कभी-कभी बड़े-बूढ़ों को उनके आदेश का अनुपालन न होना, उन्हें संतान द्वारा अपना अपमान किया जाना प्रतीत होता है। अक्सर होता यह है कि सेवा से अवकाश लेने के बाद व्यक्ति का दैनिक क्रम अव्यवस्थित हो जाता है और वह अपने को निठल्ला, बेकार महसूस करता है। ऐसे में उसको अपने को ज्यादा से ज्यादा समय व्यस्त रखने का प्रयास करना चाहिए। वृद्धावस्था हमारे जीवन का आखिरी चरण है। इस स्थिति में सभी को पहुंचना है, इस बात का एहसास सभी को करना चाहिए। वृद्धों के पास अनुभवों, स्मरणों, स्मृतियों के विशाल भंडार हैं जिनसे हम अपनी जीवनरूपी नैया को पार लगाने में कामयाब हो सकते हैं। उनके अनुभव हमारे लिए अमूल्य धरोहर हैं जिन्हें संजोकर रखना हमारा कर्तव्य है। जहां तक वृद्धावस्था पेंशन का सवाल है, सरकारें देती जरूर हैं, लेकिन वह कितनी है और क्या उससे उनका भरण-पोषण हो पाता है, वह कितनों को मिलती है और क्या वह जरूरतमंदों को मिल पाती है—यह विचार का विषय है।

नदियां

ऐसे तो न बच पाएंगी

पंकज चतुर्वेदी

को पता है कि बुंदेलखंड एक बार फिर भयंकर जल-संकट की ओर बढ़ रहा है, इसके बावजूद गत एक महीने से वहां के रहे-बचे जल-संसाधनों को जहरीला बनाने में समाज ने कोई कोर-कसर नहीं छोड़ी। पहले गणपति, फिर दुर्गा विसर्जन और ताजिये। हालांकि बुंदेलखंड में गणपित या दुर्गा पूजा स्थापना की कोई परंपरा नहीं रही है, लेकिन बाजारवाद और प्रचार माध्यमों के बल पर अकेले छतरपुर जिले में 300 से अधिक स्थान पर दुर्गा प्रतिमा बैठाई गई, यह संख्या अभी आठवें दशक तक पांच भी नहीं हुआ करती थी। अजीब विडम्बना है कि जो नेता अभी एक सप्ताह पहले इलाके को सूखाग्रस्त घेषित करने की मांग पर प्रदर्शन कर रहे थे, वे ही भगवा फटका बांधे सूख रहे तालाब-नदियों में देवी प्रतिमा का विसर्जन कर रहे थे। यह भी समझना जरूरी है कि एनजीटी से ले कर अदालतें तक ताकीद करती रही हैं कि जल-निधियों में प्रतिमा-विसर्जन गैरकानूनी है, प्रधानमंत्री अपने ''मन की बात' में प्लास्टर ऑफ पेरिस की प्रतिमाओं के बहिष्कार की अपील कर चुके हैं; लेकिन भीड़-तंत्र के सामने किसे परवाह होती है कानून की। बुंदेलखंड तो बहुत दूर है। देश की राजधानी दिल्ली के बीच से बहने वाली यमुना का देवी प्रतिमाओं ने दम निकाल दिया है। यहां बस अड्डे के करीब कुदेशिया और गीता घाट का नजारा भयावह है। दूर-दूर तक नदी में तेल की परत, रंग, कपड़ों, लकड़ी का ढेर है। मूर्तियां बनाने में लगा प्लास्टर ऑफ पेरिस की कीचड़ कई किलोमीटर तक नदी को मृत बना रही है। पूजा में इस्तेमाल फूल और फलों के सड़ने से बदबू दूर तक लोगों की सांस फूला रही है। केंद्रीय प्रदूषण नियंतण्रबोर्ड द्वारा दिल्ली में यमुना नदी का अध्ययन इस संबंध में आंखें खोलने वाला रहा है कि किस तरह नदी का पानी प्रदूषित हो रहा है। बोर्ड के निष्कर्ष के मुताबिक नदी के पानी में पारा, निकल, जस्ता, लोहा, आर्सेनिक जैसी भारी धातुओं का अनुपात दिनोंदिन बढ़ रहा है। कोलकाता के हुगली तट पर हालात लगभग ऐसे ही ही हैं। उत्तर बंगाल में महानंदा व उसकी सहायक नदियों में हर साल तीन लाख प्रतिमाएं नदी के जल को पूरे साल के लिए जहरीला कर देती हैं। हाल ही में हुई बरसात से जैसे ही नदी में नया जल आता है गणोश चतुर्थी, विश्वकर्मा पूजा, दुर्गा पूजा, लक्ष्मी पूजा, काली पूजा और भंडारी पूजा के नाम पर मूर्तियों व पूजा सामग्री से नदी को हांफने पर मजबूर कर दिया जाता है। उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी जी के शहर गोरखपुर में प्रशासन ने अदालती आदेश के चलते प्रतिमा विसर्जन के लिए कृत्रिम कुंड बनवाए थे, लेकिन जबरई से धर्मभीरुओं ने 6500 से ज्यादा प्रतिमाएं राप्ती नदी में ही विसर्जित कीं।

जमशेदपुर में सुवर्णरेखा, खरकई नदी व अन्य घाटों पर आस्था के अवशेष बिखरे पड़े हैं। पूजन सामग्री, भगवान पर चढ़े कपड़े, चुनरी, कला घट, दीया, फोटो, छोटी-बड़ी सैकड़ों मूर्तियों के लिए बनाए गए (बांस-लकड़ी के स्ट्रक्चर) आदि प्रदूषण बढ़ा रहे हैं। सबसे अधिक गंदगी सुवर्णरेखा नदी घाट किनारे दिख रही है। अनुमान है कि हर साल देश में इन तीन महीनों के दौरान 10 लाख से ज्यादा प्रतिमाएं बनती हैं और इनमें से 90 फीसद प्लास्टर ऑफ पेरिस की होती है। इस तरह देश के ताल-तलैया, नदियों-समुद्र में नब्बे दिनों में कई सौ टन प्लास्टर ऑफ पेरिस, रासायनिक रंग, पूजा सामग्री मिल जाती है। पीओपी ऐसा पदार्थ है, जो कभी समाप्त नहीं होता है। इससे वातावरण में प्रदूषण बढ़ने की संभावना बहुत अधिक है। प्लास्टर ऑफ पेरिस, कैल्शियम सल्फेट हेमी हाइड्रेट होता है, जो कि जिप्सम (कैल्शियम सल्फेट डिहाइड्रेट) से बनता है। चूंकि ज्यादातर मूर्तियां पानी में न घुलने वाले प्लास्टर ऑफ पेरिस से बनी होती हैं, उन्हें विषैले एवं पानी में न घुलने वाले नन बायोडिग्रेडेबल रंगों में रंगा जाता है, इसलिए हर साल इन मूर्तियों के विसर्जन के बाद पानी की बायोलॉजिकल ऑक्सीजन डिमांड तेजी से घट जाती है, जो जल-जन्य जीवों के लिए कहर बनता है। देश के हर कस्बे-टोले के जल संसाधनों के यह दुखद हालात तब हैं, जब देश में मिस्ड-कॉल मार कर नदियों की सफाई के संकल्प के बड़े-बड़े विज्ञापन छप रहे हैं। स्वच्छता अभियान के नाम पर खूब नारे लगे, लेकिन जब आस्था के सवाल आए तो प्रकृति, पर्यावरण, कानून के सवाल गौण हो गए। पर्व-त्योहारों को अपने मूल स्वरूप में अक्षुण्ण रखने की जिम्मेदारी समाज की है। इस अनुशासन के बल पर ही प्रदूषण को कम किया जा सकता है।

योगी कैबिनेट: सरकारी स्कूल के बच्चों को मिलेगा जूता-मोजा और स्वेटर

लखनऊ.योगी सरकार की कैबिनेट मीटिंग मंगलवार को हुई। इसमें कई अहम फैसलों को मंजूरी मिली। अब सरकारी स्कूल में बच्चों को जूता, मोजा और स्वेटर दिया जाएगा। वहीं, सरकार ने मुख्यमंत्री सामूहिक विवाह योजना को भी मंजूरी दे दी है।

बच्चों को दिया जाएगा जूता, मोजा और स्वेटर

कैबिनेट मंत्री सिद्धार्थनाथ सिंह ने प्रेस कांफ्रेंस में कहा- सरकारी स्कूल के बच्चों को जूता, मोजा और स्वेटर दिया जाएगा। इसके लिए मीटिंग में फैसला लिया गया है। स्वेटर के लिए ई टेंडर आना है। इसके लिए 300 करोड़ का बजट रखा गया है। इसमें 1.48. 49.145 करोड़ बच्चों को फायदा मिलेगा।

मुख्यमंत्री सामूहिक विवाह योजना को मंजूरी

सिद्धार्थनाथ सिंह ने आगे कहा- मीटिंग में मुख्यमंत्री सामूहिक विवाह योजना को मंजूरी दी गई है। इसके तहत एक कमेटी जरूरतमंदों को चिन्हित करेगी। इसमें एक जोड़े पर 35 हजार रुपए खर्च होंगे। सामूहिक विवाह के लिए 10 जोड़े का होना अनिवार्य है। शादी करने वालों को कपड़े, बर्तन और गहने दिए जाएंगे। हर जोड़े को 20 हजार रुपए बैंक अकाउंट में दिए जाएगा।

आधार कार्ड से लिंक होंगी योजनाएं

सिद्धार्थ नाथ सिंह ने कहा- यूपी मिट्टी का तेल नियंत्रण अधिनियम संशोधन को मंजूरी दी गई है। इसके तहत अब तक 1 गांव में 1 टाइम लाइसेंस जारी होता था। लेकिन हम बिना किसी कानूनी प्रक्रिया के अब ऑन पेपर लाइसेंस देंगे। इसके साथ ही किसी भी प्रकार की योजना का लाभ जन सामान्य को देने के लिए सारी योजनाओं को आधार से जोड़ा जाएगा। जैसे पेंशन, किसान से जुड़े रुपए, पीडीएस स्कीम। इससे लोगों को मालूम होगा कि कितना लाभ मिल रहा है।

खुली पोल:यूपी के 13 लाख लोगों के पास है बंदूक का लाइसेंस

नई दिल्ली, लाइव हिन्दुस्तान यूपी में क्राइम का आंकड़ा बढ़ता ही जा रहा है। गृह मंत्रालय की ओर से जारी इस रिपोर्ट में कुछ ऐसे आंकड़े सामने आए हैं, जो राज्य में बढ़ते अपराध की पोल खोल रहे हैं। रिपोर्ट के मुताबिक देश में कुल 33,69,444 लाख लाइसेंस हथियार रखने के लिए जारी हुए हैं, इनमें से 31 दिसंबर 2016 तक यूपी में सबसे ज्यादा हथियार जारी हुए हैं। इस सूची में जम्मू कश्मीर दूसरे नंबर पर है और बिहार भी पीछे नहीं है। पहले ये आंकड़ा 12.77,916 था, जो अब बढ़ गया है। पंजाब तीसरे नंबर पर - 3.5.349, मध्यप्रदेश, हरियाणा और राजस्थान भी 10 की सूची में शामिल है। यहां ज यादातर लोगों ने अपनी सुरक्षा के लिए हथियार का अधिकार लिया है।

हिंदू को कब्रिस्तान में किया गया दफन

झांसी. यहां हिन्दू समाज के एक शख्स के शव का अंतिम संस्कार मुस्लिम धर्म के रीति रिवाज से किया गया। शव को नहलाया गया। इसके बाद जनाजे की नमाज हुई और शव को कब्रिस्तान में दफ़न कर दिया गया। इस जनाज़े में बड़ी संख्या में हिन्दू-मुस्लिम एकत्रित हुए। दोनों धर्मों के लोगों ने अंतिम संस्कार के रीति रिवाज़ पूरे कराए। दरअसल, हिन्दू धर्म को मानने वाले इस शख्स ने अपनी वसीयत में अंतिम इच्छा के तौर पर लिखा था कि उनका अंतिम संस्कार मुस्लिम धर्म की तरह किए जाए। उनके शव को कब्रिस्तान में जगह दी जाए। इसलिए उनकी मौत के बाद उनके बेटों ने उनकी अंतिम इच्छा को पूरा किया और कब्रिस्तान में उन्हें दफनाया।

दाऊ के नाम से जाते थे मदन मोहन यादव

दरअसल, बाहर सैयर गेट के रहने वाले मदन मोहन यादव ने कुछ समय पहले ही वसीयत लिखी थी। इसमें लिखा था- उनकी मौत के बाद उनका अंतिम संस्कार मुस्लिम धर्म की तरह किया जाए।

बता दें, मदन मोहन यादव 'दाऊ' के नाम से मशहूर थे। उनकी एक दुकान 'दाऊ समोसे वाले' पूरे इलाके में जानी जाती है। उनकी 40 साल पुरानी इस दुकान पर समोसे खाने दूर-दूर से लोग आते थे।

मजार पर जाते थे दाऊ

मदन मोहन के बेटे राजेन्द्र यादव बताते हैं कि जब पिताजी यंग थे तब वह ईदगाह से बनी एक मज़ार पर जाया करते थे। आंधी हो या तूफ़ान वह हर हाल में मजार पर जाते थे। वह यहां घंटों बैठते थे। उस वक्त हमारी माली हालत अच्छी नहीं थी। इसके बाद पिता जी ने समोसे बनाने शुरू किए। वह समोसे को मस्जिद के बाहर बेचते थे। उनके समोसे लोगों को पसंद आने लगे। इस तरह समोसे के काम में उन्हें बहुत क़ामयाबी मिली। उन्होंने दुकान खोल ली और देखते-देखते उनके समोसे पूरे जिले में मशहूर हो गए। अपनी इस क़ामयाबी की वजह से उनका झुकाव मुस्लिम धर्म की ओर हो गया। अपने इसी लगाव की वजह से उन्होंने अपनी ये वसीयत में लिखी।

पढ़ते थे ईद की नमाज़, हर साल करते थे क़ुर्बानी

उनके बेटे अशोक यादव ने बताया कि वह हर साल ईद की नमाज़ पढ़ते थे। सबसे पहली लाइन में खड़े रहकर नमाज़ पढ़ते थे। वह बकरीद पर हर साल क़ुर्बानी करते थे। उनके परिवार में कोई नॉनवेज नहीं खाता है तो दाऊ कुर्बानी का गोश्त ग़रीबों में बंटवा देते थे। झांसी के रहने वाले आसिफ़ सिद्दीकी बताते हैं कि दाऊ समोसे वालों की इज्जत हर धर्म के लोगों में थी। हिन्दू हो या मुस्लिम उनसे सभी को लगाव था।

ट्रक की चपेट में आने से युवक की मौत, साथियों ने जमकर की तोड़फोड़

गाजियाबाद. यहां मंगलवार को एक मजदूर को कंटेनर लोडिड ट्रक ने कुचल दिया। बताया जा रहा है मृतक अपने साथियों के साथ काम पर जा रहा था। घटना से गुस्साए लोगों ने ट्रक चालक को पकड़कर मारपीट की और जमकर पथराव किया। इसके बाद लोगों ने सड़क जाम करके हंगामा करना शुरू कर दिया। मौके पर पहंची पुलिस ने मामला शांत कराया और शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है। मामला लिंकरोड थानांतर्गत झंडापुर की है। यहां गोरखपुर का रहने वाला जितेन्द्र मेहतो(28) पत्नी और 2 बच्चों के साथ किराए पर रहता था। जितेन्द्र जीडी कंपाउन्ड स्थित जैन प्रिन्टिंग पैकेजिंग कंपनी में काम करता था। मंगलवार की सुबह जितेन्द्र अपनी ड्यूटी पर जा रहा था।"

इस दौरान एसबीएल कंपनी के सामने ट्रक मोड़ते समय वह उसकी चपेट में आ गया और उसकी मौके पर ही मौत हो गई।

मामुली बात पर ई रिक्शा चालक को मार दी गोली

कानपुर. शहर के डबल पुलिया चौराहे पर सोमवार को दिनदहाड़े बाइक सवार ने एक ई-रिक्शा चालक को गोली मार दी। चश्मदीदों ने बताया- बाइक और ई-रिक्शा की हल्की सी टक्कर हो गई। दोनों में बहस होने लगी। रिक्शा चालक ने बाइक सवारों को बच्चा बोल दिया। जिससे नाराज एक शख्स ने तमंचा निकाली और उसे गोली मार दी।

ये है पूरा मामला...

चश्मदीद विजय ने कहा, "शास्त्री नगर के रहने वाले राम नरायण मिश्रा ई रिक्शा चलाते हैं। वे डबल पुलिया पर सवारी बैठा रहे थे। उसी समय बाइक सवार 2 लोगों ने रिक्शे में टक्कर मार दी।" "इसे लेकर दोनों में बहस होने लगी। मिश्रा ने लड़कों को बोला, "तुम अभी बच्चे हो, हमें नहीं जानते। इतना कहते ही, बाइक के पीछे बैठे लड़के ने तमंचा निकालकर मिश्रा को गोली मार दी।"

"गोली उसके जांघ में लगी और वो सड़क पर गिर पड़ा। मौके पर मौजूद लोगों ने उसे हॉस्पिटल पहुंचाया। जहां उसका इलाज चल रहा है।" स्वरूपनगर सीओ मनोज कुमार ने कहा, "एक रिक्शा चालक को मामूली बात को लेकर बाइक सवारों ने गोली मारी है। वे दोनों फरार हैं। 2 अज्ञात के खिलाफ मामला दर्ज किया गया है।"

6 महिलाएं करेंगी लड़कियों की सुरक्षा, देश के लिए शहीद हो चुके हैं पति

वाराणसी.बीएचयू में मंगलवार से क्लासेज शुरू हो गए हैं। चीफ प्रॉक्टर रोयना सिंह ने बताया कि 6 महिला सुरक्षाकर्मी एमएमवी (महिला महा विद्यालय) में तैनात की गई हैं, जबकि एक की ज्वाइनिंग फॉर्मेल्टीज को पूरा किया जा रहा है। जिला प्रशासन के सपोर्टस से 50 महिला पुलिसकर्मी और तैनात होंगी, जिसमे इंस्पेक्टर और सब इंस्पेक्टर रैंक की तैनाती की गई है। जो हॉस्टल गेट, मेन गेट समेत कई जगहों पर तैनात होंगी।" . ने बीएचयू की इन 6 महिला सुरक्षाकर्मियों से बात की, जिनके पति देश की रक्षा में शहीद हो चुके हैं। बनारस की रहने वाली कंचन ने बताया, "मेरी शादी 1996 में हुई थी। पति अनलि जम्मू में तैनात थे। 2013 में जिस दिन वो रिटायर हुए, विदाई समारोह के बाद आखरी बार कैम्प में आए, उसी दौरान पाकिस्तान ने अटैक कर दिया। बाकी जवानों ने कैम्प से मोर्चा संभाला तो अनिल भी उनके साथ जंग में वापस कूद पड़े। इसी दौरान उनको गोली लगी और शहीद हो गए।

बिहार

सृजन घोटाला: 17 आरोपियों की कोर्ट में हुई पेशी, 14 दिन की न्यायिक हिरासत में भेजे गए

पटना. बहुचर्चित सृजन घोटाला मामले में सीबीआई कोर्ट में मंगलवार को 17 आरोपियों की पेशी हुई। इन सभी की पेशी पटना सिविल कोर्ट परिसर में स्थित गायत्री कुमारी की सीबीआई कोर्ट में हुई। कोर्ट ने सभी आरोपियों को 14 दिन की न्यायिक हिरासत में भेज दिया है। गायत्री कुमारी की कोर्ट में हुई पेशी...

सृजन घोटाले के सभी 17 आरोपियों की पटना सिविल कोर्ट परिसर स्थित सीबीआई की स्पेशल कोर्ट में पेशी हुई। आरोपियों की पेशी को लेकर सुबह से ही कोर्ट की सुरक्षा बढ़ा दी गई थी। घोटाले के सभी 17 आरोपियों को भागलपुर से सोमवार को पटना लाया गया है। 16 आरोपियों को कैदी वाहन में कोर्ट लाया गया, जबकि एक आरोपी को एम्बुलेंस से लाया गया। - मुख्य न्यायिक दंडाधिकारी त्रिभुवन यादव ने सीबीआई कोर्ट के प्रोडक्शन वारंट के आलोक में सभी आरोपियों को पटना ले जाने की अनुमति दी थी। पटना की सीबीआई अदालत में पेश होने वाले सभी आरोपी भागलपुर के केन्द्रीय व विशेष केन्द्रीय कारा में बंद थे। पेशी के लिए पटना आए आरोपियों में दो महिलाएं भी हैं। इन्हें पटना की अपर मुख्य न्यायिक दंडाधिकारी सह सीबीआई कोर्ट के विशेष न्यायाधीश (टू) गायत्री कुमारी के कोर्ट में पेश किया गया। बताते चलें कि भागलपुर में हुए इस महाघोटाले में लगभग 1000 हजार करोड़ रुपए का बंदरबांट हुआ है।

करंट की चपेट में आए बच्चे को बचाने दौड़ी मां, बिजली की झटके से दोनों की मौत

बलिया (बेगूसराय).बलिया नगर पंचायत के मीरसिकार टोला में अपने पांच वर्षीय बच्चे को करंट से झुलसता देख मां भी दौर पड़ी, जिससे मां भी करंट की चपेट में आ गई और घटनास्थल पर ही मां-बेटे की मौत हो गई। इसी दौरान मीरसिकार टोला निवासी मो. किस्मत का करीब 5 वर्षीय पुत्र खेलते-खेलते घर में लगे लोहे के गेट में जाकर सट गया। बच्चे के गेट में सटते ही करंट लग गया। देखते ही देखते बच्चा झुलस गया। बच्चे की चीख सुनकर घर का काम निपटा रही करीब 24 वर्षीया मां मुस्तरी खातून दौड़ कर आई और बेटे से लिपट गई।

पत्नी ने पति की हत्या कर बाथरूम में धोया चाकू, पकड़ी गई तो सुनाने लगी ये कहानी

लखीसराय. बिहार के लखीसराय जिले के कबैया थाना के संसार पोखर वार्ड में सोमवार को महिला ने पति की चाकू मारकर हत्या कर दी। आरोपी महिला ने पति की हत्या कर आराम से बाथरूम में चाकू धोया और भाग गई। पुलिस ने आरोपी प्रियंका को हिरासत में ले लिया है। चाकू मारकर घर से हो गई फरार...

घटना के बारे में बताया जा रहा है कि आरोपी प्रियंका दुर्गा पूजा में अपने मायके आई हुई थी।

महिला का पति सुजीत कुमार पांडेय दो दिन पहले ससुराल आया था। सुजीत ने पत्नी से कहा कि दुर्गा पूजा खत्म हो गया है। अब अपने घर शेखपुरा चलो।

इस बात को लेकर प्रियंका और सुजीत में झगड़ा हो गया। जिसके बाद प्रियंका ने चाकू मार दिया।

घायल को तुरंत घर के लोगों ने हॉस्पिटल लाया पर उसकी मौत हो चुकी थी।

घटना के बाद प्रियंका ने चाकू को पानी से साफ किया और घर से फरार हो गई।

इस दौरान ग्रामीणों ने पुलिस को खबर कर दी। जिसके बाद प्रियंका को पुलिस ने उसी गांव से पकड़ लिया।

पुलिस हिरासत में आरोपी महिला ने कहा कि मैंने जानबूझकर चाकू नहीं मारा है। विवाद के दौरान सुजीत चाकू पर गिर गया।

बताया जा रहा है कि महिला मायके में ही स्कूल ज्वाइन की थी। शेखपुरा जिले के रहने वाले सुजीत से पांच साल पहले प्रियंका की शादी हुई थी।

बेटे के बयान पर मां पर केस दर्ज

लखीसराय एसपी अरविंद ठाकुर ने बताया कि पत्नी ने अपने पति को चाकू घोंपकर हत्या कर दी है। घटनास्थल से तेज धारदार चाकू बरामद किया गया है और मृतक की पत्नी की गिरफ्तारी हो गई है।

महिला के दोनों बच्चों के बयान पर केस दर्ज कर लिया गया। घटना में जो लोग भी शामिल होंगे। उनके खिलाफ कार्रवाई होगी।

हॉस्पिटल जाने के दौरान महिला ने सड़क किनारे बच्चे को दिया जन्म, नहीं मिला एम्बुलेंस

सहरसा. बिहार के सहरसा जिले के सोनवर्षा राज थाना क्षेत्र के हरिपुर गांव की एक महिला ने हॉस्पिटल जाने के दौरान रास्ते में बच्चे को जन्म दिया। इस दौरान लोगों ने हॉस्पिटल से एम्बुलेंस मांगा, लेकिन हॉस्पिटल से एम्बुलेंस नहीं भेजा गया। दर्द से परेशान थी महिला...

हरिपुर गांव निवासी मो. इदरीश की गर्भवती पत्नी शहजादी दर्द होने पर स्थानीय पीएचसी जाने के लिए सोमवार को घर से अकेले ही पैदल निकल गई। महिला जिस समय घर से निकली उस समय उसके घर में उसके पति या कोई अन्य पुरुष सदस्य नहीं थे। घर से निकलने के बाद महिला थोड़ी ही दूर पहुंची तो उसे पेट में तेज दर्द होने लगा। ऐसे में वह सड़क किनारे ही बैठ गई। इस दौरान सड़क से गुजर रहे लोगों ने उसे दर्द से कराहते देख स्थानीय पीएचसी को मोबाइल से सूचित किया और एम्बुलेंस भेजने का आग्रह किया, लेकिन पीएचसी की ओर से एम्बुलेंस नहीं भेजा गया। महिला की गंभीर स्थिति देख लोगों ने सड़क किनारे ही कपड़ा घेर दिया। फिर लोगों ने ऑटो से महिला को पीएचसी पहुंचाया। इस संबंध में सोनवर्षा राज पीएचसी के प्रभारी डा. विवेकानंद ने मंगलवार को कहा कि सोमवार को मैं पीएचसी में नहीं था। मुझे इस घटना के बारे में कोई जानकारी नहीं है।

रेलवे टेंडर घोटाला: लालू यादव कोर्ट में हुए पेश, मिली नई तारीख

पटना। सीबीआई ने राजद प्रमुख लालू प्रसाद यादव और उनके बेटे तेजस्वी यादव से कहा कि भ्रष्टाचार के कथित मामले में दोनों को पांच और छह अक्टूबर जांच एजेंसी के सामने पेश होना होगा। दोनों नेताओं ने जांच एजेंसी की ओर से पहले दी गई तारीख पर उपस्थित होने में असमर्थता जताई थी। एजेंसी के सूत्रों ने बताया कि लालू और तेजस्वी को पहले 4 और 5 अक्तूबर को उपस्थित होने को कहा गया था।

आईआरसीटीसी के दो होटलों की देखरेख का जिम्मा 2006 में निजी फर्म को सौंपे जाने के संबंध में सीबीआई पूर्व रेल मंत्री लालू प्रसाद यादव से पूछताछ करना चाहती है। इस सौदे में हुए कथित भ्रष्टाचार के संबंध में दर्ज सीबीआई की प्राथमिकी में तेजस्वी को भी आरोपी बनाया गया है। आरोप है कि रेल मंत्री रहते हुए लालू ने बीएनआर रांची और बीएनआर पुरी की देखरेख का जिम्मा एक निजी फर्म सुजाता होटल को सौंपा और बदले में एक बेनामी कंपनी के जरिए तीन एकड़ की महंगी जमीन के रूप में दलाली ली। सुजाता होटल का स्वामित्व विनय और विजय कोचर के पास है।

पटना जंक्शन बच्ची को छोड़कर भागी मां

पटना जंक्शन बच्ची को लेकर ऐसे घूमती रही पुलिसवाली, छोड़कर भागी मां

पटना. पटना जंक्शन के दस नंबर प्लेटफार्म पर उस समय अजीबोगरीब स्थित बन गई, जब लोगों ने एक दुधमुंही बच्ची को शेड के नीचे अकेले रोते हुए देखा। लोगों को पहले लगा कि बच्ची की मां पास में ही कहीं होगी। लेकिन काफी देर तक जब कोई बच्ची के पास नहीं गया तब लोगों ने इसकी सूचना आरपीएफ की टीम को दी। आरपीएफ की टीम ने बच्ची को जीआरपी को सौंप दिया। इधर जीआरपी प्रभारी ने बताया कि बच्ची तकरीबन तीन दिन की है। कोई उसे प्लेटफार्म पर रख गया था। चाइल्ड हेल्पलाइन जरिए बच्ची को नवजीवन संस्था को सौंप दिया गया है।

जनता की मंशा अनुसार 182 सीटो पर स्पष्ट छबि वाले उम्मीदवारों को दिया जायेगा टिकट: शंकरसिंह वाघेला

जनता में भाजपा और कांग्रेस के खिलाफ भारी आक्रोश

सूरत। कांग्रेस छोड तीसरा मोर्चा बनानेवाले शंकरसिंह वाघेला ने गत रोज नवसारी के दांडी में जन विकल्प के स्वयंसेवको के साथ प्रतिज्ञा लेने के बाद आज सूरत शहर सर्किट हाउस में पत्रकार परिषद संबोधित किया।

शंकरसिंह वाघेला ने पत्रकार परिषद संबोधित करते हुये कहा कि जन विकल्प के आधार पर लोगों से मिल रहे हैं। लोगों के बीच जाकर उनका मत जानने का प्रयास किये जाने पर पाया गया कि प्रजा में भाजपा और कांग्रेस के प्रति भारी आक्रोष है। दिल्ही विधानसभा चुनाव के समय भाजपा और कांग्रेस दो मुख्य दल होने के बावजूद वहां की प्रजा ने तीसरा विकल्प पसंद किया। गुजरात की जनता को भाजपा-कांग्रेस के अलावा तीसरे विकल्प के तौर पर जन विकल्प मिलेगा।

राज्य की तमाम 182 सीट से स्पष्ट छबिवाले उम्मीदवार को टिकट देने का आयोजन है। अब तक पाटीदार भाजपा के साथ थे और उन्हें खुले दिल से मत दिया लेकिन उसके बाद उनके साथ जो हुआ उससे पाटीदार अच्छी तरह परिचित हो गये हैं। डायमंड और कपडा व्यापारी जीएसटी की मार से बेरोजगार हो गये हैं, व्यापार-धंधा मृतप्राय हो

गया है। शंकरसिंह वाघेला ने कहा कि हमारी सरकार बनी तो राज्य में रोजगार, शिक्षा और सुरक्षा को प्राथमिकता दी जायेगी।

राज्यसभा के चुनाव के संदर्भ में वाघेला ने कहा कि उन्होंने छह माह पहले दिल्ही जाकर पार्टी हाईकमान्ड को कहा था कि कार्यकर्ता राज्य के नेतृत्व से तंग हो गये हैं।

उस पर हाईकमान्ड ने कहा कि हमें राज्यसभा का चुनाव नहीं लडना जिसे जहां जाना हो वहां जा सकता है। जिसके बाद बापु ने कहा था कि मैं कांग्रेस छोड रहा हूं लेकिन भाजपा में शामिल नहीं हूंगा। निर्दलीय के तौर पर लडूंगा लेकिन भाजपा में वापस नहीं जाउंगा।

वरेली से सीसीटीवी फूटेज के आधार पर 20 लाख का कपड़ा लूटने वाले 6 लूटेर गिरफ्फ्तार

सूरत। वापी के लवाछा गांव के विजय बहादूर यादव 21 सितंबर को टेम्पो में सूरत के सहारा दरवाजा रेलवे ब्रिज के निकट से 20 लाख का कपड़ा तथा ड्रेस मटेरियल भरकर मुंबई जाने के लिए निकला था। बरेली गांव के निकट स्पीड ब्रेकर पर टेम्पो धीमी होने पर पीछे से बाईक पर सवार होकर आए 6 लूटेरों ने चाकू के नोक पर टेम्पो चालक को बंधक बना लिया। जिसे बदमाशों ने अंकलेश्वर के निकट मार कर फेक दिया तथा 20 लाख के कपड़े सहित टेम्पो लेकर फरार हो गए थे।

इस मामले में सूरत एलसीबी तथा एसओजी ने जब हाइवे के टोल नाके की सीसीटीवी फूटेज की जांच की तो पुलिस को लूट के रहस्य का पता चला। सीसीटीवी फूटेज के आधार पर पुलिस ने ताती थैया से 6 लूटेरो को पकड़ लिया तथा राजस्थान के उदयपुर से लूट के टेम्पो सहित 20 लाख का कपड़ा वरामद कर लिया।

पुलिस सूत्रो से मिली जानकारी के अनुसार पकड़े गए लूटेरो का नाम जगदीशनाथ शंकरनाथ योगी(26)निवासी-नरदाल, काबूदा, थाना-तालूका देवगढ़, विक्रमसिंह हनुमानसिंह सुवावत निवासी ग्रीन पार्क सोसायटी, जैसलमील के निकट कडोदरा, रतनसिंह रायसिंह राठौड, निवासी मजाम तालूका गोगुंदा, जिला उदयपुर, अमरसिंह इंद्रसिंह सुसावत निवासी-श्री निवास सोसायटी मोदी हास्पीटल के निकट कडोदरा सूरत मूल निवासी उदयपुर, मनोहरसिंह लालसिंह सिसोदिया, निवासी -सपरा, जिला- उदयपुर ,राज-स्थान तथा विशाल भैरूसिंब खरवड़ निवासी -बगडुदा, उदयपुर है।

सूरत। नवरात्रि तथा दशहरें की धुम के बाद मंगलवार से बच्चों के पहले समेस्टर की परिक्षाएं शुरु हो गई। शहर के विभिन्न विद्यालयों में शिक्षकों की कड़ी निगरानी विद्यार्थीयों ने परिक्षाएं दी।

सूरत। इंडियन मंडिकल ऐसोसिएशन की गाईड लाईन के अनुसार मिलने वाली सहुलियतों तथा सुविधओं की मांग को लेकर न्यु सिविल होस्पिटल नर्स एसोसिएशन की तरफ से रैली निकाली गई। इस अवसर पर नर्सों ने अपनी मांगों से संबंधित नारो तथा सुविधाओं को तख्तीयों पर लिख कर पर्दशन किय।

श्री महालक्ष्मी अनुष्ठान 10 अक्टूबर को

सूरत। श्री महालक्ष्मी अनुष्ठान समिति की ओर से 10 अक्टूबर को महालक्ष्मी अनुष्ठान का आयोजन शहर के वीआईपी रोड स्थित साईं न्यू पार्टी प्लाट में किया जाएगा। ध्यान गुरु अर्चना दीदी के सानिध्य में होने वाले इस अनुष्ठान में ज्योत, पूजा, अभिषेक तथा महायज्ञ का आयोजन होगा। सांय 4 बजे से शुरु होने वाला यह अनुष्ठटान रात्रि 8 बजे तक चलेगा।

कार्यक्रम की जानकारी देती हुई अर्चना दीदी ने बताया कि नवरात्रि, दशहरा के उपरान्त दीपोत्सव पर होने वाला महालक्ष्मी अनुष्ठान मनुष्य को लौकिक तथा पारलौकिक दोनो प्रकार के सुख प्रदान कराता है। ऋषियों के देश भारत में जपतप का विशेष महत्व है, यहां के ऋषियों ने अपने तपोबल से कई बार स्वर्णिम वर्षा

12 साल से कम उम्र के बच्चों की न्यू सिविल हास्पिटल में होगी थेलेसेमिया की निःशुल्क जांच

सूरत। शहर के मजूरागेट स्थित न्यू सिविल हास्पीटल में 6 अक्टूबर को 12 वर्ष से कम आयु के बच्चों के थेलेसेमिया की जांच की जाएगी। मावतर चेरीटेबल ट्रस्ट तथा संकल्प इंडिया फाउंडेशन बैगलुरू के सहयोग से होने वाला जांच का कार्यक्रम हास्पीटल के हिमोफिलिया केयर सेंटर में ओपीडी के दौरान प्रातः 10 बजे से सायं 5 बजे तक चलेगा। जिसके लिए पहले से मरीजों का पंजीकरण अनिवार्य है। न्यू सिवलि हास्पीटल के अधीक्षक डा. एम.के. बाडेल ने बताया कि थेलेसेमिया रक्त कणों में मिलने वाली जन्मजात खामी है। इसमें बच्चों के रक्त में हिमोग्लोबिन की कमी होती जाती है। जिसके कारण उन्हें नियमित अंतराल में रक्त चढ़ानी पड़ती है।

फेक आईडी बनाकर अश्लील फोटो भेजने वाला गिरफ्तार

सूरत। लिंबायत क्षेत्र में रहनेवाली युवती का अज्ञात शख्स ने इन्स्ट्राग्राम पर फेक आईडी बनाकर युवती का अश्लील फोटो तथा मैसेज रख उसे बदनाम किया। इसके अलावा युवती को शिकायत करने पर जान से मारने की धमकी दी। युवती के पिता ने इस संदर्भ में अज्ञात युवक के खिलाफ लिंबायत पुलिस में शिकायत दर्ज कराई। लिंबायत पर्वत गांव क्षेत्र में स्थित गंगासागर सोसायटी में रहनेवाली युवती के फोटो को अज्ञात शख्स ने मोर्फिंग करके फोटो तथा अश्लील मैसेज युवती के मोबाइल में वॉट्सअप किया था और साथ ही जान से मार देने की धमकी भी दी थी। जिसके बाद अज्ञात शख्स ने इन्स्ट्राग्राम पर युवती का फेक आईडी बनाकर उसमें अश्लील फोटो अपलोड कर युवती को बदनाम किया। साथ ही किसी को शिकायत करने पर जान से मारने की धमकी दी। आखिरकार युवती ने तंग होकर सारी बात अपने पिता से कही। युवती के पिता ने इस संदर्भ में लिंबायत पुलिस में शिकायत दर्ज कराई है। पुलिस ने मोबाइल नंबर के आधार पर आगे की जांच कार्यवाही शुरु की है।

सूरत। 21वीं सदी में वैदिक ज्ञान के प्रति लोगों में जागरुकता लाने के उद्देश्य से हरिद्वार गायत्री पीठ से सूरत के उधना मगदल्ला रोड़ युवा भारत रथ यात्रा पहुंची। जिसका स्वागत शहर के मेयर तथा गणमान्य व्यक्तियों द्वारा किया गया।

महानगर पालिका के उदासीन रवैये से जगह-जगह लगा कुड़ो का ढेर

सूरत। स्मार्ट सिटी की तरफ अग्रसर सूरत शहर में महानगर पालिका के उदासीन रवैये के चलते जगह-जगह कुड़ो का अंबार देखने को मिल रहा है। मनपा द्वारा शहर में जगह-जगह रखे गए कचरा वाले कन्टेनरों के चारों तरफ कचरे का ढेर नजर आ रहे हैं। कन्टेनरों के आस पास फैले कचरों के कारण इनके आस पास पशुओं तथा श्वानों का भीड़ लगा रहता है। प्लास्टिक की थैली में फेके गए जूठे भोजन के लालच में कई पशु अकारण मौत का शिकार हो रहे है। गाय का माता मानने वाले लोग भी कचरे की ढेर में जूठे खाना फेकते है जिससे निरीह पशु प्लास्टिक युक्त जूठा खाकर अकारण मौत के मुख में जा रहे है। की सुबह 10.30 बजे से होगा।

पर्वत गांव के खुले मैदाम में ट्रक चालक पर चाकू से हमला

सूरत। पर्वत गांव संतोषनगर के खुले ग्राउन्ड समीप रविवार रात पैदल जा रहे युवक पर चार लोगों ने घातक हमला कर गंभीर रुप से घायल कर दिया।

पुलिस सूत्रों से प्राप्त जानकारी के अनुसार पर्वत गांव नारायण नगर में रहनेवाले पर्वत गांव नारायण नगर में रहनेवाले गोविंद नारायण आलिया सोमवार रात बोडेलथी रेती भरा ट्रक भरकर लिंबायकत ममता टॉकीज समीप मार्क किया था।

सहकारी मंडली की ऑफिस से 35 हजार की चोरी

सूरत। सचिन इकलेरा रोड पर स्थित अठवा विविध कार्यकारी सहकारी मंडली की ऑफिस में प्रवेशित हुये अज्ञात तस्कर नकद 35,000 रुपये की चोरी कर फरार हो गये।

घटना के संदर्भ में प्राप्त जानकारी के अनुसार सचिन इकलेरा रोज पर स्थित अठवा विविध कार्यकारी सहकारी मंडली की ऑफिस की ग्रील तोडकर भीतर प्रवेशित हुये अज्ञात तस्कर तिजोरी का ताला डुप्लीकेट चाबी से खोलकर नकद 35,000 रुपये चोरी कर फरार हो गये। मंडली के मैनेजर भगुभाई आहिर को इसकी जानकारी होने पर उन्होंने सचिन पुलिस में शिकायत दर्ज कराई। पुलिस शिकायत दर्ज कर आगे की जांच कार्यवाही कर रही है।

महिला चिकित्सक के खाते से 65,400 रुपये गायब

सूरत। एटीएम कार्ड बंद होने के नाम पर अज्ञात ठग ने महिला चिकित्सक को फोन कर जानकारी प्राप्त करने के बाद उनके दो बैंक के खाते से कुल 65,400 रुपये गायब कर दिये।

लालगेट पुलिस सूत्रों के अनुसार डॉक्टर अवनीबेन रणछोडभाई काबरिया को अज्ञात मोबाइल फोन धारक ने फोन किया था। फोन करने वाले ने अपनी पहचान एटीएम के हेड ब्रांच से बोल रहे होने के रुप में दी और आधारकार्ड लींक करने की बात कहकर उनके पास से बैंक ऑफ बरोडा और स्टेट बैंक ऑफ इंडिया के संदर्भ में जानकारी प्राप्त कर बैंक ऑफ बरोडा के खाते से 63,500 रुपये तथा एसबीआई के खाते से 1900 रुपये मिलाकर कुल 65,400 रुपये निकाल लिये। घटना के संदर्भ में चिकित्सक महिला की शिकायत के आधार पर लालगेट पुलिस आगे की जांच कार्यवाही कर रही है।

सूरत। सूरत एजुकेशनल एण्ड टेक्निकल सोसायटी के विदयार्थियों द्वारा मंगल वार को आधुनिक परिधानों से माडलों को सजाया गया। इस कार्यक्रम में विदयार्थियों ने डीजिटल इंडिया की धीम को प्रस्तुत करने का प्रयास किया।

जॉबवर्क करने हेतु दिया गया 5.25 लाख का माल बेचकर ठगी

सूरत। जॉबवर्क के लिए लिया गया गया 5.25 लाख रुपये की साडियों का जत्था वापस नहीं देकर ठगी करने वाले दो लोगों के खिलाफ वराछा पुलिस में शिकायत दर्ज कराई गई है।

वराछा पुलिस सूत्रों से प्राप्त जानकारी के अनुसार वराछा एल.एच. रोड अभयनगर मारुति चौक समीप रहनेवाले बीपिनभाई बोसमीया ने आरोपी विक्रम वाघेला (निवास सांईधाम, केनाल रोड, कामरेज), पराग दिनेश मणियारा (निवास राजेश्वरी सोसायटी, कामरेज) के खिलाफ शिकायत दर्ज कराई। शिकायत के अनुसार फरियादी बीपिनभाई के पास से 1.87 लाख रुपये 848 नंग साडी, धनजीभाई के पास से 1.70 लाख की 1000 नंग साडी और भावेशभाई के पास से 1.68 लाख रुपये की 482 नंग साडी आरोपियों ने जॉबवर्क हेतु ली थी। जिसके बाद माल वापस नहीं कर कुल 5,25,700 रुपये की ठगी की। वराछा पुलिस ने मामला दर्ज किया है और मामले की जांच पीएसआई वी.एस. पटेल कर रहे हैं।

सूरत। शहर के अड़ाजण क्षेत्र स्थित रायन इंटरनैशनल स्कूल में मासूम को बुरी तरह से पीटे जाने से मासूम को अस्पताल में दाखिल कराना पड़ा इस घटना के बाद से विद्यालय की गतिविधियों को लेकर अभिभावकों में भारी रोष व्यापत है।

स्वत्वाधिकारी, मुद्रक व प्रकाशक सुरेश मौर्या द्वारा 4 ओ-ब्लाक आगम नवकार कॉम्पलेक्ष सचीन रेल्वे स्टेश के पास,सूरत, जि. सूरत, गुजरात से प्रकाशित, एवं तासीलोक पब्लिकेशन 152,153 श्री राम इंडस्ट्रीयल एरिया पांडेसरा सूरत 394210 से मुद्रत, फोन नं. 9879141480 संपादक सुरेश मौर्या (पी आर बी एक्ट के तहत खबरों के चयन के लिए उत्तरदायी) E-mail: krantisamay@gmail.com